

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 अप्रैल, 2022

वशिव बौद्धिक संपदा दविस

वशिव भर में प्रत्येक वर्ष 26 अप्रैल को 'वशिव बौद्धिक संपदा दविस' का आयोजन कया जाता है। इस दविस के आयोजन का उद्देश्य 'रोज़मर्रा के जीवन पर पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क तथा डज़ाइन आदि के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना और वैश्विक समाज के विकास में रचनात्मकता एवं नवोन्मेष के महत्त्व को रेखांकित करना है। वशिव बौद्धिक संपदा दविस की शुरुआत [वशिव बौद्धिक संपदा संगठन](#) (WIPO) द्वारा बौद्धिक संपदा (IP) के संबंध में आम जनमानस के बीच समझ विकसित करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2000 में की गई थी। 26 अप्रैल, 1970 को ही 'WIPO कन्वेंशन' लागू हुआ था। वदिति हो कि वैश्विक स्तर पर रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और बौद्धिक संपदा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'वशिव बौद्धिक संपदा संगठन' का गठन कया गया है। WIPO का [मुख्यालय जनिवा, स्वटिज़रलैंड](#) में है। भारत वर्ष 1975 में WIPO का सदस्य बना था। बौद्धिक संपदा के अंतर्गत ऐसी संपत्तियों को शामिल कया जाता है, जो मानव बुद्धि द्वारा निर्मित होती हैं और जिन्हें छूकर महसूस नहीं कया जा सकता है। इसमें मुख्य तौर पर कॉपीराइट, पेटेंट और ट्रेडमार्क आदि को शामिल कया जाता है।

कसिान भागीदारी-प्राथमकता हमारी

कृषि और कसिान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सहि तोमर ने 25 अप्रैल 2022 को [कसिान भागीदारी-प्राथमकता हमारी](#) (Kisan Bhagidari-Prathmikta Hamari) अभियान का वधिवित उदघाटन कया। यह अभियान 30 अप्रैल, 2022 तक जारी रहेगा और वभिन्न अन्य वभागों एवं मंत्रालयों के सहयोग से सरकार के 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तहत आयोजित कया जा रहा है। इसके अंतर्गत देश भर में बड़ी संख्या में कसिानों के बीच कृषि व अन्य संबद्ध मंत्रालयों की योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये वभिन्न गतिविधियों का आयोजन कया जाएगा। अभियान के अंतर्गत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी के सहयोग से देश भर के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर एक दविसीय कसिान मेलों का आयोजन कया जाएगा। कसिान मेलों के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं से जुड़ी जानकारी कसिानों के बीच प्रसारित की जाएगी। अभियान के दौरान कृषि मंत्री सामान्य सेवा केंद्र- सीएससी द्वारा आयोजित फसल बीमा पर देशव्यापी कार्यशाला का भी शुभारंभ कया जाएगा।

भारतीय तटरक्षक पोत 'ऊर्जा प्रवाह'

भारतीय तटरक्षक पोत 'ऊर्जा प्रवाह' को गुजरात के भरूच में भारतीय तटरक्षक बल में शामिल कया गया है। ऊर्जा प्रवाह 22 अप्रैल, 2022 को कोर्चा पहुँची और तटरक्षक मुख्यालय- 4 (केरल और माहे) के संचालन कमान के साथ-साथ सहायक बजरा ऊर्जा श्रोता, जो 2017 से यहाँ स्थित है, भारतीय तटरक्षक बल के अधीन होगी। यह नया जहाज़ तटरक्षक बल के जहाज़ों को रसद सहायता प्रदान करके भारतीय तटरक्षक बल (ICG) के संचालन को बढ़ाने में मदद करेगा, जिन्हें वशिष आर्थिक क्षेत्र और लक्षद्वीप/मनिकीय द्वीप समूह सहित समुद्री संचालन के दूरदराज़ क्षेत्रों में तैनात कया जाएगा। कोर्चा में भारतीय तटरक्षक बल के लिये जहाज़ का मार्ग नशिचति रूप से समुद्र में भारतीय तटरक्षक बल की परचालन क्षमता को बढ़ाएगा। सहायक बजरा ऊर्जा प्रवाह की लंबाई 36 मीटर है तथा इसे क्रमशः 10 टन, 50 टन और 40 टन की क्षमता सीमा के साथ कार्गो वमिानन ईंधन, वमिानन ईंधन और मीठे पानी के लिये डज़ाइन कया गया है।

सोशल मीडिया कंपनी ट्वटिर

ट्वटिर ने घोषणा की है कि दुनिया के सबसे अमीर वयक्त [एलन मस्क ने सोशल मीडिया कंपनी ट्वटिर को 44 अरब डॉलर में खरीद लया](#) है। ट्वटिर बोर्ड के अध्यक्ष [ब्रेट टेलर](#) ने कहा कि बोर्ड ने मूल्य, नशिचतिता और वत्तिपोषण पर ध्यान देते हुए एलन मस्क के प्रस्ताव का आकलन करने के लिये व्यापक प्रक्रिया का पालन कया है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रस्तावति लेनदेन से पर्याप्त नकद प्रीमियम मलिगा और यह ट्वटिर के शेयरधारकों के लिये सबसे अच्छा रास्ता है। शेयरधारकों को उनके स्वामतिव वाले ट्वटिर स्टॉक के प्रत्येक शेयर के लिये 54.20 डॉलर नकद प्राप्त होंगे, जो एलन मस्क के मूल प्रस्ताव के अनुरूप है। एलन मस्क ने कहा कि ट्वटिर में अपनी क्षमता के प्रदर्शन की जबरदस्त क्षमता है। उन्होंने प्रतर्बिधों में ढील देने से लेकर नकली खतों को समाप्त करने तक कई बदलावों का आह्वान कया। एलन मस्क ने सुझाव दया है कि इससे उन्हें व्यवसाय में अपने अनुरूप परवर्तन करने की स्वतंत्रता मलिगी। ट्वटिर के वर्तमान [मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग अग्रवाल](#) ने कहा है कि ट्वटिर का उद्देश्य और प्रासंगिकता पूरी दुनिया को प्रभावति करती है। ट्वटिर बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदति इस समझौते के अंतर्गत ट्वटिर के शेयर सूची से हटा दये जाएंगे और इसका नशिीकरण कर दया जाएगा।

